Result Mitra Daily Magazine

UK की राजनीतिक पृष्ठभूमि

❖ हालिया संदर्भ :

- कुल दिन पूर्व उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में चाकू से किए गए हमले के बाद से यूनाइटेड किंगडम (UK) में दंगे भडक गये हैं, जिसे रोकने के लिए पुलिस बलों को जूझना पड रहा है।
- हाल ही में नवनिर्वाचित लेबर पार्टी की सरकार के लिए इसे बहुत बडी परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।
- लेबर पार्टी ने भारी बहुमत से सत्ता प्राप्त किया है।
- आव्रजन (Migration) एवं गलत सूचना के मुद्दे के अलावा दक्षिणपंथी नेतृत्व हिंसा को अधिक बढावा दे रहा है।
- इस संदर्भ में दक्षिणपंथी और वामपंथी राजनीतिक दलों का नेतृत्व करने वाली पार्टियों का UK में वर्चस्व की समझना आवश्यक है।

❖ UK में राजनीतिक व्यवस्था :

- UK में इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैण्ड, स्कॉटलैण्ड एवं वेल्स शामिल है।

- UK में एक संवैधानिक राजतंत्र है, अर्थात देश का औपचारिक प्रमुख सम्राट/साम्राज्ञी होता है, जो वंशानुगत रूप से चुना जाता है।
- राजा/रानी का पद काफी हद तक प्रतीकात्मक है।
- UK में संसदीय व्यवस्था है, जिसमें द्विसदनीय व्यवस्था है।
- House of Commons को निचला सदन एवं House of Lord's को उच्च सदन कहा जाता है।
- दोनों सदनों से पारित विधेयक को सम्राट के पास रॉयल स्वीकृति के लिये भेजा जाता है, जिसकी सहमति के बाद विधेयक अधिनियम बन जाता है।
- भारत में ही कमोबेश यही व्यवस्था है। अंतर बस इतना है कि भारत संवैधानिक गणतंत्र है, क्योंकि यहाँ औपचारिक प्रमुख यानि राष्ट्रपति का पद वंशानुगत न होकर अप्रत्यक्ष रूप से संसद के दोनों सदनों एवं राज्य विधानसभा द्वारा निर्वाचित होता है।
- House of Commons में 650 सदस्य होते हैं, जो प्रत्यक्षतः जनता द्वारा चुने जाते हैं।
- House of Lords में सीटों की संख्या निश्चित नहीं हैं, लेकिन सामान्यतः यह 750-800 के बीच होता है।
- House of Lords वास्तव में Lords स्प्रिच्चुअल (Spiritual) एवं Lords टेम्पोरल से बना है, जिसमें ज्यादातर वंशानुगत सदस्य शामिल होते हैं।
- इनमें Life Peers (कुलीन वर्ग), बिशप (रोमन कैथोलिक चर्चों का आध्यात्मिक प्रमुख) एवं वंशानुगत कुलीन वर्ग के लोग शामिल होते हैं।
- House of Lords के सदस्यों को UK के प्रधानमंत्री की सलाह पर House of Lords के नियुक्ति आयोग द्वारा चुना जाता है।
- प्रधानमंत्री 5 वर्ष के लिए सरकार का वास्तविक कार्यकारी प्रमुख होता है।
- UK में शामिल स्कॉटलैंड (संसद), वेल्स (संसद) एवं उत्तरी आयरलैंड (विधानसभा) को भी विभिन्न मामलों से संबंधित शक्तियाँ हस्तांतरित की गई हैं।

❖ व्हिग और टोरी (Whig and Tory)

- UK में पार्टी प्रणाली की शुरूआत 18वीं सदी में अस्तित्व में आई थी, जब व्हिग एंड टोरी दो परस्पर विरोधी राजनीतिक दल होते थे।
- व्हिग और टोरी का उद्भव इंग्लैंड में 1679-81 के दौर में हुए 'बहिष्कृत संकट' के समय में हुआ।

❖ बहिष्कृत संकट :

- बहिष्कृत संकट UK के तत्कालीन सम्राट चार्ल्स-II के शासनकाल में 1679-81 के बीच हुआ।
- दरअसल चार्ल्स-II का उत्तराधिकारी जेम्स एक रोमन कैथोलिक था, जिसके कारण उसे सिंहासन से हटाने के लिए लोगों ने मांग की।

Result Mitra

- हालांकि इस संदर्भ में तीन विधेयक लाए गए लेकिन एक भी कानून नहीं बन पाया।
- टोरी जेम्स के बहिष्कार के पक्ष में नहीं थे, जबकि व्हिग ने बहिष्कार का समर्थन किया।
- जेम्स अगले सम्राट बने लेकिन 3 वर्ष बाद यह मामला फिर उठा और 1688 में हुए गौरवपूर्ण क्रांति के बाद जेम्स को पद से हटा दिया गया।
- अंत में 1701 में एक अधिनियम के द्वारा ब्रिटिश सिंहासन पर से रोमन कैथोलिक को बाहर कर दिया गया।
- शुरूआत में व्हिग्स को संसद का समर्थक माना गया, जबकि टोरी इसके विपरीत विचारधारा वाले थे।
- हालांकि 1688-89 के क्रांति के बाद व्हिग एवं टोरी दोनों ने कुछ आदर्शों को स्वीकार किया, जैसे दैवीय सिद्धांतों के बजाय सीमित संवैधानिक राजतंत्र।
- बीतते समय के साथ व्हिग कुलीन जमींदार एवं धनी मध्यम की पार्टी बनी, जबकि टोरी व्यापारी वर्ग अगर आधिकारिक प्रशासनिक वर्ग की पार्टी बनी।

❖ गौरवपूर्ण क्रांति :

- रक्तहीन क्रांति नाम से प्रसिद्ध, क्योंकि क्रांति के दौरान रक्तपात नहीं हुआ।
- तत्कालीन सम्राट जेम्स को इनके ही दामाद विलियम ऑफ ऑरेंज ने गद्दी से हटाया, जो जेम्स की बेटी मैरी के पति और उस समय डच राजा थे।
- क्रांति का मुख्य कारण जेम्स का रोमन कैथोलिक होना,
- जेम्स के अत्यधिक धार्मिक होने की वजह से लोगों ने सम्राट-शक्ति को अस्वीकार कर दिया एवं संसदीय प्रक्रिया की मांग की।
- 1689 में अंग्रजी अधिकार अधिनियम द्वारा इंग्लैंड में वर्तमान शासन व्यवस्था की नींव पडी।

❖ वामपंथी और दक्षिणपंथी :

- फ्रांसीसी क्रांति और फ्रांस के साथ युद्धों ने UK में दोनों दलों (व्हिग एवं टोरी) के विभाजन को जटिल बना दिया।
- व्हिग्स समूह से उदारवादी का बहुत बडा वर्ग पार्टी छोडकर चला गया एवं इसके साथ ही लॉर्ड जॉन रसेल और विलियम ग्लैंडस्टोर के द्वारा प्रतिपादित उदारवाद यानि Liberal का उदय हुआ।
- सर रॉबर्ट पील एवं बेंजामिन डिजरायली द्वारा समर्थित नए पार्टी कंजरवेटिव (रूढिवादी) का उदय हुआ।
- अब टोरी के बदले कंजरवेटिव का प्रयोग होता है, वहीं व्हिग अब अर्थहीन हो गया है।
- UK में पार्टी प्रणाली की एक और विशिष्टता Left (वामपंथी) और Right wing यानि दक्षिणपंथी है।

Result Mitra

- दोनों विचारधारा समाज को व्यवस्थित करने के सर्वोत्तम तरीके के बारे में सिद्धांतों का प्रतिनिधित्व करता है ताकि लोगों का सामूहिक विकास हो।
- Left एवं Right wing शब्दों का उद्भव फ्रांसीसी क्रांति के दौरान हुआ।
- Right wing के लोग राजशाही का समर्थन करते थे, लेकिन वामपंथी ने इसका विरोध किया था, इसलिए क्रांति हुई थी।
- सामान्यतः वामपंथी सरकारी विनियमन का वर्चस्व, अमीरों पर उच्च कर एवं गरीबों के लिए मजबूत कल्याण प्रणाली के पक्षकर होते है, साथ ही ये प्रगतिशील दृष्टिकोण अपनाते हैं तथा सामाजिक परिवर्तन के समर्थक होते हैं।
- दक्षिणपंथी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के पक्षधर होते हैं तथा सीमित सरकारी विनियमन का समर्थन करते हैं।
- ये दृष्टिकोण में परंपरावादी होते हैं तथा बेहतर काम एवं परिणाम के लिए निजी क्षेत्रों के प्रतिस्पर्द्धा के समर्थक होते हैं।

❖ कंजरवेटिव एवं लेबर पार्टी :

- UK में कंजरवेटिव को सामान्यतः दक्षिणपंथी माना जाता है, वहीं लेबर पार्टी को वामपंथी माना जाता है।
- भारत में बहुदलीय व्यवस्था होने के कारण मामला जटिल है।
- केन्द्र में रहने वाली दो प्रमुख पार्टियाँ भाजपा एवं कांग्रेस है, जिसमें कांग्रेस मध्यमवर्गीय है।
- भाजपा को कर्तव्य, परंपरा एवं राष्ट्रवाद पर जोर देने के लिए दक्षिणपंथी कहा जाता है।
- भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी जैसे दल वामपंथी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

❖ UK में हालिया संदर्भ :

- ब्रिटेन में हाल में हुए सत्ता परिवर्तन (कंजरवेटिव से लेबर पार्टी) ब्रिटिश राजनीतिक में एक कठिन दौर के बाद आया है।
- आव्रजन संबंधी चिंताएं, Brexit जनमत संग्रह, Covid-19 के बाद और उसके दौरान उपजी स्थितियाँ, रूस-यूक्रेन संघर्ष और बढती महंगाई ब्रिटेन में विपरीत दौर के कारणों में से है।
- ब्रिटेन की राजनीतिक प्रणाली में सामान्यतः लेबर और कंजरवेटिव का वर्चस्व रहा है, लेकिन कई नइ्र पार्टियों ने भी स्वयं को स्थापित किया है।
- लिबरल डेमोक्रेट्स, जो 2010-15 के बीच कंजरवेटिव पार्टी के साथ गठबंधन सरकार में शामिल थे।
- इसके अलावा अन्य निगेल फराज के नेतृत्व में रिफॉर्म UK, जॉन स्वाइन के नेतृत्व में स्कॉटिश नेशनल पार्टी, रून एपी इओरवर्थ के नेतृत्व में प्लेड सिमरू एवं गैविन रॉबिन्सन के नेतृत्व में उत्तरी आयरलैंड में डेमोक्रेटिक यूनिविस्ट पार्टी आदि शामिल है।

Result Mitra

❖ 2024 का चुनाव :

- इस चुनाव में लोगों ने पारंपरिक द्विदलीय व्यवस्था से हटकर मतदान किया।
- परिणामतः यूनियन डेमोक्रेट्स को 72 एवं रिफॉर्म UK को 5 सीटें प्राप्त हुई।
- रिफॉर्म UK पार्टी ने 2016 में Broxit का समर्थन करने वाले मतदाताओं का समर्थन प्राप्त किया, जो दक्षिणपंथी झुकाव एवं Broxit समर्थक भावना को दर्शाता है।
- 2024 का चुनाव कंजरवेटिव पार्टी के लिए ऐतिहासिक रूप से सबसे खराब रहा, जिसमें लिज ट्रूस (पूर्व प्रधानमंत्री) एवं पेनी मोर्डंट जैसे दिग्गज भी सीट हार गए।
- लेबर पार्टी ने कीर स्टारमर के नेतृत्व में बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिसके द्वारा जीते गए सीटों की संख्या 1997 और 2001 में टोनी ब्लेयर द्वारा जीते गए सीटों के करीब है।
- हालांकि लेबर पार्टी की शानदार जीत का श्रेय मतदाताओं के कंजरवेटिव पार्टी द्वारा UK के हालिया स्थिति को बनाए रखने के विरोध में किए गए वोटिंग को जाता है। अर्थात लोग लेबर पार्टी के पक्ष में होने के बजाय कंजरवेटिव के विरोध में थे।

❖ भारत-ब्रिटेन संबंध :

- लंबे समय से ऐतिहासिक संबंध के बावजूद निराशाजनक स्थिति,
- भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप से रिश्ते असहज,
- जेरेमी कॉर्बिन (लेबर पार्टी) के नेतृत्व में कश्मीर पर बार-बार विवादित बयान,
- नवनिर्वाचित कीर स्टारमर ने भारत के साथ 'नई रणनीतिक भागीदारी' की प्रतिबद्धता जताई।
- 2+2 वार्ता (रक्षा एवं विदेश मंत्रियों की बैठक), साइबर साझेदारी, बेहतर संबंधों के लिए रोडमैप-2030 और मुक्त व्यापार समझौते (FTA) के लिए बातचीत, दोनों देशों के बीच हालिया संबंधों की रूपरेखा तय करेंगे।
- दोनों देश FTA के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन ब्रिटेन की मांग है कि भारत स्कॉच व्हिस्की जैसे सामानों पर भारत आयात शुल्क कम करे, जबकि भारत अपने सेवा क्षेत्र के कार्यबल के लिए ब्रिटेन से अस्थायी वीजा की मांग कर रहा है।

❖ Important Facts :

- क्रिप्स मिशन (1942) विस्टन चर्चिल द्वारा भेजा गया था, जो कंजरवेटिव पार्टी के थे।
- भारत को आजादी लेबर पार्टी (क्लीमेंट एटली) के समय मिली।
- 1892 में दादा भाई नौरोजी सेंट्रल फिंसबरी (लंदन) से मात्र 5 वोटों से जीतकर ब्रिटिश संसद पहुँचने वाले पहले एशियाई थे।

❖ UK VS ग्रेट ब्रिटेन :

Result Mitra

- UK में इंग्लैंड, वेल्स, स्कॉटलैंड एवं उत्तरी आयरलैंड शामिल है, जबकि ग्रेट ब्रिटेन में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड एवं वेल्स शामिल है।
- NATO , राष्ट्रमंडल या अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठन में UK सदस्य के रूप में शामिल होता है।

Result Mitra